" भिवानी गौरव सम्मान" - 2018

श्री सुरेश बिंदल
(भिवानी -दिल्ली)

चौधरी बंसी लाल भिवानी गौरव सम्मान
(लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास)

खेल, साहित्य ,राजनीति,संगीत,कला के क्षेत्रों के साथ -साथ ग्राम विकास और लोक प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रो में भिवानी की छवि देखी जा सकती है । मौलिक विचार , असाधारण प्रतिभा , स्पष्ट वक्ता, कुशल संगठनकर्ता, राष्ट्र और राष्ट्रभाषा के प्रगाढ प्रेमी, छात्र जीवन से ही राजनैतिक और सामाजिक क्षेत्र में सशक्त भागीदारी का दूसरा नाम है श्री सुरेश बिंदल। बाजारी चूहड़सिंह , भिवानी से दिल्ली आकर बसे स्व. श्री भोलानाथ दलाल के सुपुत्र स्व. श्री मुरारी लाल बिंदल के दत्तक पुत्र श्री सुरेश बिंदल का जन्म 7 मार्च, 1949 को दिल्ली मे हुआ । आपने 29 नवम्बर 1968 को झज्जर निवासी लाला हुकुम चंद बही बसने वालों की सुपुत्री उषा जी के साथ वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया । आप दो सुपुत्र और दो सुपुत्रियों के पिता हैं । आपने व्यापार के साथ-साथ समाज, अंतर्राष्ट्रीय लायंस क्लब, मर्कन्टाइल एसोसिएशन व समाज सेवा के अनेक मंचों पर अपनी अद्भुत प्रतिभा और अथक कार्यकुशलता का परिचय दिया है । आप जहां भी रहे, वहां गतिविधियों का केंद्र बिन्दु बनकर उभरे ।

आप व्यापार में तीसरी पीढी का प्रतिनिधित्व करते हैं । वर्तमान में आप अपने सुयोग्य पुत्रों को अपने व्यापार की दैनिक गतिविधियां सौंपकर अपना पूरा समय समाज को समर्पित करते हैं। बाल्यकाल से ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से प्रेरणा पाकर आप समाज सेवा में कूद पड़े । कूंचा चेलान, खारी बावली में अपने निवास के दौरान आयोजित धार्मिक समारोह में चरण पादुका सेवा, जलसेवा के लिये मित्रों के साथ मिलकर शिव सेवा समिति का गठन किया । हिंदी के प्रोत्साहन के लिये हिंदी साहित्य सम्मेलन , खारी बावली मंडल से साहित्य में कदम रखा । आपके लिखे अनेक लेख देश के सुप्रसिद्ध दैनिक समाचार पत्रों में छपते रहे हैं। व्यवसाय और धार्मिक विषयों पर आपके आलेख मर्कन्टाइल बुलेटिन एवं अग्रदर्पण पत्रिका में प्रकाशित होते हैं। मर्कन्टाइल एसोसिएशन के माध्यम से आपने लोक प्रशासन की अमिट छाप स्थापित की है ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री सम्पूर्ण सिंह बागड़ी
(भिवानी - रोहतक)

बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान
(पत्रकारिता)

देश दुनिया की जानकारी प्रदान करने में मीडिया की महती भूमिका है| आज के युग में प्रिंट और इलैक्ट्रोनिक मीडिया ,दोनों ही जन-जन तक पहुंचने के सशक्त माध्यम हैं | पत्रकारिता के क्षेत्र में भिवानी का नाम रोशन किया है भिवानी के श्री सम्पूर्ण सिंह बागड़ी ने। |हालु मोहल्ला भिवानी में आपको 17 फरवरी 1965 को एक निर्धन और मजदूर परिवार में जन्म का सौभाग्य मिला । अपने परिवार में छः भाई बहिनों मे आप तीसरे नम्बर की संतान हैं । स्नातक , बी.एड . की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आपने जनसंचार में परा स्नातक की डिग्री हासिल की ।

सन 1988 में आपने आकाशवाणी में उदघोषक के रूप में पदार्पण किया । तब से लेकर आज तक आप निरंतर सेवारत हैं । सन 2010 से 2017 तक लगातार 8 वर्षों तक आपने गणतंत्र दिवस परेड की राजपथ , नई दिल्ली से कमेंट्री की । आपने विज्ञान भवन , नई दिल्ली से चार बार महामहिम राष्ट्रपति महोदय के कार्यक्रमों की लाइव कमेंट्री की । अनेक बार प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रमों की लाइव कमेंट्री की । तीन वर्षों तक आप फिल्म सैंसर बोर्ड, नई दिल्ली के सदस्य रहे । आपने संस्कार भारती हरियाणा के प्रांत महामंत्री के दायित्व का बखूबी से निर्वाहन किया । अनेक संस्थाओं द्वारा आपको सम्मान और स्नेहिल आशीर्वाद मिला । भिवानी की माटी की महक सांसों मे लिये और भिवानी के स्नेहिल बंधुओं के आशीर्वाद के साथ आपकी यात्रा अनवरत जारी है ।

सम्प्रति आप आकाशवाणी रोहतक में वरिष्ठ उदघोषक तथा राष्ट्रीय स्तर पर कमेंटेटर के रूप में कार्यरत हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।|

श्री हरिओम महाजन
(भिवानी - दिल्ली)

राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान
(शिक्षा)

शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में श्री हरिओम महाजन का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है। आप टी.आई.टी. स्कूल भिवानी और वैश्य कालेज भिवानी के विद्यार्थी रह चुके हैं। कालेज की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आप दिल्ली आ गये तथा निजी व्यवसाय करने का निर्णय लिया । आपने केमिकल व्यवसाय की शुरुआत की तथा अपनी लग्न, प्रतिभा , कठिन परिश्रम और कुशल प्रबंधन से शीघ्र ही केमिकल फैक्ट्री की शुरुआत की । आपने व्यक्ति निर्माण में समाज की महत्ता को समझा और समाज सेवा के क्षेत्र में कदम रखा । आपका मानना है कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है । उचित शिक्षा के अभाव में जीवन की सफलता की परिकल्पना नही की जा सकती । इसी विचार से आपने शिक्षा क्षेत्र को समाज निर्माण के लिये चुना । आपने सन 1999 मे लौरेल हाई स्कूल , दिल्ली की स्थापना की तथा अपने जीवन का बहुमूल्य अनुभव स्कूल के संचालन में लगाया । आपकी निरंतर सेवा से आज लौरेल हाई स्कूल क्षेत्र का लोकप्रिय और प्रतिष्ठित हायर सेकेंडरी स्कूल में शुमार होता है । विद्यालय में नैतिक मूल्यों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी उपकरणों से शिक्षित और प्रशिक्षित किया जाता है । अपनी लग्न, मेहनत , प्रतिभा और सेवा भाव से आप शिक्षा के प्रसार में तल्लीन हैं ।

आपका मानना है कि शिक्षा केवल किताबी नही होनी चाहिये । इसलिये आप शिक्षा में व्यवहारिक , ज्ञानवर्धक, नैतिक मूल्यों पे आधारित और भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ विचारों से परिपूर्ण शिक्षा का समावेश करना चाहते हैं ताकि छात्र अपने देश के सुनहरे भविष्य में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें । आप अपने विद्यालय के

शिक्षकों से अपेक्षा रखते हैं कि वे पारम्परिक पाठयक्रम के साथ-साथ छात्रों को एक अच्छा इंसान और श्रेष्ठ नागरिक बनाने के लिये कृत संकल्प हों ।

सम्प्रति आप शिक्षा को सेवा मानकर इसके प्रचार और प्रसार के दायित्व का निर्वाहन बखूबी से कर रहे हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

डा .रमाकांत शर्मा

(भिवानी)

पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान (साहित्य)

साहित्य के क्षेत्र में अनेक विभूतियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भिवानी जिले को गौरवान्वित किया है । जिला भिवानी को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले हिंदी के प्रतिष्ठित विद्वान डा. रमाकांत शर्मा किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं । आपका जन्म 29 दिसम्बर , 1964 को पिता पं. चंद्रकिशोर शर्मा तथा माता श्रीमती रेश्मा देवी के घर मैनपुरी में हुआ । इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी में हिंदी साहित्य में एम.ए. उत्तीर्ण करने के पश्चात आपने सन 1993 में विश्वभारती विश्वविद्यालय शांति निकेतन से पी.एच.डी. की उपाधि ली।

प्रकाशित पुस्तकों में गांवो की ओर, उदयगान, गीत अगीत, गीति काव्य और राष्ट्रीयता , समीक्षा के स्वर इत्यादि आपकी प्रमुख कृतियां हैं । आपको दो बार संसद भवन तथा अनेक बार महामहिम राज्यपाल के द्वारा सम्मानित किया जा चुका है । आप भारत सरकार के संस्कृति विभाग की कनिष्ठ फेलोशिप प्राप्त कर चुके हैं । हरियाणा साहित्य अकादमी का श्रेष्ठ कृति पुरस्कार, हरियाणा का प्रतिष्ठित उदयभानु 'हंस' काव्य पुरस्कार, मानव भारती सम्मान, अणुव्रत काव्य पुरस्कार, चेतन काव्य पुरस्कार, मधुप काव्य सम्मान इत्यादि अनेक सम्मानो से आपको नवाजा गया है । समय समय पर दूरदर्शन एवं आकाशवाणी पर विभिन्न परिचर्चाओं तथा काव्य प्रसारण में आप शामिल होते रहे हैं । आप राष्ट्रीय संगोष्ठियों मे पत्र वाचन के साथ साथ काव्य समारोहों में काव्य पाठ , संयोजन एवं संचालन में काफी सक्रिय हैं । आप हरियाणा साहित्य अकादमी के मानद सदस्य भी हैं । आप अखिल भारतीय साहित्य परिषद हरियाणा प्रांत के सहसंगठन मंत्री का दायित्व निभा चुके हैं। भिवानी शाखा के अनेक वर्षों तक आप महामंत्री रह चुके हैं ।

सम्प्रति आप हलवासिया विद्या विहार भिवानी के कार्यकारी प्राचार्य का दायित्व का बखूबी से निर्वाहन कर रहे हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री योगेश बरनेला

(भिवानी)

पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान (संगीत)

भिवानी जिले के लोगों ने लगभग हर क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अद्वितीय पहचान बनाई है । इसका एक प्रत्यक्ष उदाहरण हैं श्री योगेश बरनेला । आपका जन्म 22 नवम्बर 1982 को भिवानी में श्री ओम प्रकाश बरनेला जी के घर हुआ । बी.काम. की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात अपनी रुचि के अनुसार आपने फाइन आर्ट्स मे एम.ए. की डिग्री ग्रहण की । कालेज में ही आपके हुनर का रंग प्रदर्शित हुआ । एम.डी.यू. मे आप पेंटिंग में प्रथम स्थान पर रहे । चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय में भी आप पेंटिंग और क्ले माडलिंग में प्रथम स्थान पर रहे । यही से आपकी सफलता की कहानी की शुरुआत हुई । छोटी छोटे प्रोजेक्ट लेकर बड़ा कारनामा करने में आपको महारथ हासिल है । विश्व का सबसे छोटा चरखा बनाकर आपने इंडिया बुक आफ रेकार्ड्स , एशिया बुक आफ रेकार्ड्स एवं बुक आफ आलटरनेटिव रेकार्ड्स मे अपना नाम दर्ज करवाया । वर्ल्ड रेकार्ड एसोसिएशन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपके चार रेकार्ड हैं । हाँगकांग मे आयोजित प्रतियोगिता में विश्व का सबसे छोटा चरखा, सबसे छोटे एफिल टावर का माडल, सबसे छोटा आरीगैमी टिप-टाप , सबसे छोटी आरीगैमी कागज की क्रेन बनाकर विश्व रेकार्ड बनाया । लिम्का बुक आफ रेकार्ड्स में आपके ग्यारह रेकार्ड दर्ज हैं जिसमे लघुत्तम चरखा, हीटर, मोटरबोट , विद्युत काल बेल, मथनी, बैंच ग्राइंडर, हाट वायर फोम कटर, मिट्टी के बर्तन बनाने वाला पहिया , इमर्सन राड, ब्लोअर आदि प्रमुख हैं ।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने थर्मोकोल आधारित लघुत्तम ताजमहल का माडल प्रस्तुत करने के लिये आपको जूनियर फेलोशिप प्रदान की ।

सम्प्रति आप भिवानी के ज़ी. लिट्रा वेली विद्यालय में आर्ट्स और क्राफ्ट के अध्यापन का दायित्व बखूबी से सम्भाल रहे हैं }

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री वेद प्रकाश

(भिवानी)

श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान (खेल)

खेल की दुनिया में हिंदुस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान दिलाने में जिला भिवानी का नाम विशेष योगदान रहा है । खेलों की इस बगिया को बहुत से बागबाओं ने अपनी कड़ी मेहनत और अथक प्रयत्नों से सिंचित किया है । बास्केटबाल की नर्सरी को संवारा है श्री वेद प्रकाश जी ने । आपका जन्म लोहानी मे पिता श्री धर्मपाल सिंह एवं माता श्रीमती मूर्ति देवी के घर हुआ । भिवानी के वैश्य कालेज से स्नातक होने के पश्चात आपने राजकीय कालेज से बी.एड. तथा NSNIS पटियाला से कोचिंग का एन.आई.एस. डिप्लोमा किया । इसके साथ-साथ आपने होम्योपैथी, रेकी , एक्यूप्रेशर तथा सूजोक थेरेपी में सर्टिफिकेट कोर्स भी किया । आपने बास्केटबाल मे युवा , जूनियर, सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व किया ।

सन 1985 से आप हरियाणा खेल विभाग में बास्केटबाल कोच के रूप में अपनी सेवायें दे रहे हैं । आप सब जूनियर, युवा जूनियर, सीनिवर वर्ग की प्रतियोगिताओं में हरियाणा के कोच रहे हैं । आपके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय , अंतर्राष्ट्रीय , कामनवेल्थ एवं एशियाई खेलों में देश का प्रतिनिधित्व किया तथा अनेक पदक दिलवाये । आप सन 1988 से आज तक भारतीय बास्केटबाल फेडेरेशन के "ए" क्लास रेफ्री रहे हैं। स्पार्ट्स इंजरी, डोपिंग , न्यूट्रिशन जैसे विषयों पर अनेक सेमीनार मे भागीदारी कर चुके हैं । आप अनेक समाजिक कार्यों से जुड़े हैं तथा अनेको प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। आप BRCM बहल की स्पार्ट्स सोसायटी के सदस्य भी हैं। खेल के अलावा आप अखिल भारतीय नाथ समाज हरियाणा के महासचिव के दायित्व का निर्वाह भी कर रहे हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

डा. प्रमोद कुमार आनंद

(भिवानी)

फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान (सेवा)

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी के लोगों में सेवा भाव की भावना सहज ही देखी जा सकती है। अपने क्षेत्र के लिये सेवा भाव से समर्पित एक ऐसी ही शख्सियत है डा. प्रमोद कुमार आनंद । बचपन से ही समाज सेवा की भावना आप में कूट कूट कर भरी है । आपका जन्म 8 अगस्त ,1958 में सिंदरी (झारखण्ड) में हुआ । आपका पैतृक स्थान फरीदाबाद है । आपने सन 1976 में डा. एस.एन. मेडीकल कालेज से एम.बी.बी.एस. की शिक्षा प्राप्त की तथा सन 1986 में डा. एस.एन. मेडीकल कालेज से ओर्थोपेडिक्स में एम.एस. की शिक्षा प्राप्त की । आप एम.डी. यूनिवर्सिटी से एल.एल.बी. भी पूर्ण कर चुके हैं । सन 1986 मे हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसिस के तहत आप मेडिकल आफिसर नियुक्त हुए । सन 1988 से आज तक आप निजी ओर्थोपेडिक्स सर्जन के रूप में अपनी सेवायें दे रहे हैं ।

भिवानी क्षेत्र को अपनी कर्मभूमि मनते हुए व तत्कालीन शहरी हालातों को देखते हुए यह ख्याल आया कि जिस समाज ने हमें धन, शोहरत , मान-सम्मान दिया है तो उस समाज के प्रति भी हमारा कर्तव्य बनता है । इसी विचार से अभिभूत होकर समान सोच वाले मित्रों के साथ मिलकर सन 2010 फरवरी में आपने ग्रीन सोसायटी का गठन किया । GREEN (Great Revolution for Elimination of Environmental Nuisances) यानी पर्यावरण के लिये हानिकारक बन चुके विभिन्न कारकों के उन्मूलन के लिये महाक्रांति । ग्रीन सोसायटी के मूल मंत्र की साथ संस्था अनेक प्रकल्पों से जुड़ी है। स्कूल , कालेज, मंदिर, बाजार और घर घर जाकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाता है । इसके अलावा मानव श्रंखला , मिनी मैराथन , नाटक और सेमीनार के माध्यम से भी जन जन को जागरूक किया जाता है । शहर के विभिन्न चौक, चौराहों और डिवाइडर पर पौधारौपण और सौंदर्यकरण किया जाता है ।

सम्प्रति आप मेडिकल देवा प्रदान करने के साथ साथ ग्रीन सोसायटी के माध्यम से सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

कर्नल गजराज सिंह

(लोहारी जाटू- भिवानी)

पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान (राष्ट्र सेवा)

वैसे तो समस्त हरियाणा राज्य वीरों की भूमि रहा है तथापि जिला भिवानी ने एक अग्रणी की भूमिका निभाई है । जिस समाज और देश ने हमे बहुत कुछ दिया है उसके प्रति भी हमारा कुछ दायित्व बनता है। इस उक्ति को दिल में उकेरा है कर्नल गजराज जी ने । आपका जन्म गांव लुहारी जाटू मे पिता ठाकुर रामरख जी और माता श्रीमती प्रसन्नी देवी के घर हुआ ।

प्रारम्भिक शिक्षा गांव मे प्राप्त करने के पश्चात आपने वैश्य कालेज भिवानी में अध्ययन किया । आप शुरु से ही स्वभाव से जुझारू रहे हैं। आपका रुझान आउटडोर खेलों की तरफ रहा है । इसी के परिणामस्वरूप आपने अपना कार्यक्षेत्र भारतीय सेना को चुना । आपको सेना में भर्ती होने के पश्चात सन 1965 में कमीशन मिला । आपने सन 1971 के भारत पाक युद्ध में बांगला देश की मुक्ति वाहिनी सेना के साथ शामिल होकर अपनी युनिट का नेतृत्व किया तथा बांगला देश की आज़ादी में योगदान दिया । आपने सन 1980 में कर्नल के पद को सुशोभित किया ।

आपको चीफ आफ आर्मी स्टाफ से प्रशंसा पत्र के साथ-साथ सैनिक सेवा मैडल, रक्षा मैडल, आपरेशन विजय मैडल जैसे सम्मानों से नवाजा गया । आप सन 1994 में सेना की उल्लेखनीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए । सेवानिवृति के बाद आप निरंतर सेवा के कार्यों से जुड़े हैं । आप अपने गांव में प्रति वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन करते हैं जिसमें आप अन्य जनों के साथ अनेक सैनिकों को आमंत्रित करते हैं तथा एक जूनियर कमांडिंग आफिसर का सम्मान करते हैं । आप प्रति वर्ष अपने गांव के आठ होनहार छात्र छात्राओं को अपने पूज्य पिताजी और माताजी की स्मृति में छात्रवृति प्रदान करते हैं । आप हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा भिवानी के प्रधान रह चुके हैं ।

सम्प्रति आप हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा, हरियाणा के कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व निभा रहे हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री अनिल अग्रवंशी

(केलंगा - दिल्ली)

महावीर प्रसाद 'मधुप' सम्मान

(काव्य)

भिवानी की पावन नगरी प्राचीन काल से ही कवियों, शायरों, रचनाकारों, साहित्यकारों एवं विद्वानों की कर्मभूमि रही है। काव्य की दुनिया में श्री अनिल अग्रवंशी का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है। आपका जन्म एक प्रतिष्ठित व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता लाला एल.एन.गोयल जी के घर हुआ । आपने दिल्ली विशविद्यालय से स्नातक की शिक्षा ग्रहण की ।

आप एक प्रतिभाशाली कवि होने के साथ साथ एक कुशल गीतकार, संगीतकार , गायक भी हैं। गत कुछ वर्षों में आपने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक हास्य कवि के रूप मे अद्वीतीय पहचान बनायी है । हास्य के साथ-साथ आप कविता की अनेक विधाओं में सिद्धहस्त हैं । आप राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर अनेक रीयलिटी शो में शिरकत कर चुके हैं ।

दूरदर्शन के वरिष्ठ संगीतकार स्वर्गीय श्री छोटे लाल जी के सानिध्य में गुरु-शिष्य परम्परा का निर्वाहन करते हुए आपने 25 वर्षों तक संगीत साधना की । प्रयाग संगीत समिति से आप तबला और गायन में सीनियर डिप्लोमा प्राप्त कर चुके हैं । गायन और वादन के साथ-साथ आपके द्वारा रचित अनेक गीतों का दिल्ली दूरदर्शन से प्रसारण हो चुका है । आप राष्ट्रीय स्तर पर अनेक कविता प्रतियोगिताओं , वाद विवाद कम्पीटीशन और म्यूजिकल कंसर्ट के जज रह चुके हैं । कविता और संगीत की दुनिया में आपको विभिन्न सामाजिक और साहित्यिक संस्थाओं से अनेक सम्मानों से नवाजा गया है। आप मृदुभाषी हैं और अनेक सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप में जुडे हैं ।

आपको कवि श्रेष्ठ सम्मान, जगदीश मित्तल काव्य पुरस्कार, समाज गौरव सम्मान , वैश्य गौरव रत्न, राजेश चेतन काव्य पुरस्कार , व्यापारिक साहित्य रत्न , अग्र गौरव सम्मान , शब्द सारथि सम्मान, हास्य सम्राट अवार्ड इत्यादि अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है । सब टी.वी. चैनल के लोकप्रिय कार्यक्रम "वाह वाह क्या बात है " के दस एपिसोड में आप अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं । महुआ चैनल के कार्यक्रम " वाह कवि जी" में आप दो एपिसोड में आप अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। आप डी.डी.न्यूज, ज़ी. न्यूज, आई.बी.एन. 7 , न्यूज 24 , न्यूज वर्ल्ड चैनलों पर अपनी काव्य प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं । नेपाल, ओमान और दुबई की आप सफल काव्य यात्रा कर चुके हैं ।

आप भारत के तीन पूर्व राष्ट्रपतियों श्री वेंकटरामन , ज्ञानी जैल सिंह , श्री शंकर दयाल शर्मा और उप-प्रधानमंत्री श्री लाल कृष्ण अडवाणी के सम्मुख अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं ।

आपको भारत के गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह , पदमश्री सुरेंद्र शर्मा एवं उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड , हिमाचल प्रदेश के राज्यपालों से सम्मान मिल चुका है।

संगीत प्रतिभा विकास परिषद के आप प्रेजिडेंट हैं । दिल्ली ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के आप सांस्कृतिक अध्यक्ष भी हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको महावीर प्रसाद 'मधुप' काव्य सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।

डा. विभा भारद्वाज

(भिवानी - दुबई)

नारायणी देवी - महावीर प्रसाद भग्गनका सम्मान

(ओजस्विनी)

भिवानी की बेटियों ने भी विश्व के मानचित्र पर अपनी सफलता का परचम लहराया है । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करने वाली डा. विभा भारद्वाज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं । आपका जन्म 16 दिसम्बर 1983 को हालु बाज़ार भिवानी में श्री वेद पुजारी के घर हुआ । प्रारम्भिक शिक्षा भिवानी में पूर्ण की । साइंस एवं अन्य विषयों के साथ-साथ जीव विज्ञान आपका प्रिय विषय रहा । इस विषय में आपने निरंतर महारथ हासिल की । सन 2004 में आपने हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय से बी.एस.सी. की शिक्षा उत्तीर्ण की । सन 2008 में आपने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से एम .एस.सी. की शिक्षा पूर्ण करने के साथ -साथ पी.एच.डी. भी पूर्ण की । अपनी अध्ययन यात्रा को जारी रखते हुए आपने सन 2016 में अर्जेंटीना से पोस्ट डोक्टोरल फेलोशिप पूर्ण की । आपके पास प्रोफेशल योग्यताओं का भंडार है। मोलेक्यूलर बायोलोजी, बायोकेमिकल एवं बायोफिजीकल मैथेड्स , माइक्रोबायोलोजी, इम्यूनोलोजी, एनवायरमेंटल बायोटेक्नोलोजी और बायोइंफोर्मेटिक्स विषयों की आपमें अद्भुत विशेषतायें हैं । आपके लिखे रिसर्च पेपर अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं और जनर्ल्स में प्रकाशित हो चुके हैं । आपके द्वारा रचित विभिन्न चैप्टर पाठ्य पुस्तकों में सम्मिलित किये गये हैं ।

डा. विभा देश और विदेश के अनेक सम्मेलनों में शिरकत कर चुकी हैं जिसमें आप अपनी एक अद्वीतीय पहचान बना चुकी हैं । हर जगह आपके विशिष्ट ज्ञान की प्रशंसा हुई है। आपको हरियाणा सरकार , भारत सरकार तथा विदेशी सरकारों द्वारा अनेक सम्मानों से नवाजा गया है । पांच भाषाओं पर आपका बहुत अच्छा अधिकार है। अत्यधिक व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप अनेक सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से जुड़ी हैं । पुस्तकें पढना , खाना बनाने और नृत्य में आपकी काफी अभिरुचि है । इंडियन वोमेन साइंटिस्ट एसोसिएशन, नेशनल एंवायरमेटेलिस्ट एसोसिएशन की आप सद्स्य रह चुकी हैं । डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस की आप एसोसियेट एडिटर भी हैं । केमिकल, सिविल और पर्यावरण की अंतर्राष्ट्रीय अकादमी की आप रीव्यूअर का दायित्व निभा रही हैं । आपके पास देश की नदियों को कम खर्च करके साफ करने की एक परिपुष्ट योजना है । इस दिशा में अवसर मिलने पर आप राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम हैं । आपके गुणों और कार्यों को संक्षिप्त में वर्णन कर पाना सरल नहीं है ।

सम्प्रति आप दुबई में कार्यरत हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको नारायणी देवी - महावीर प्रसाद भग्गनका ओजस्विनी सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।